Central University of Rajasthan
Department of Culture and Media Studies

Press Coverage of CMS Activities

The Department of Culture and Media Studies, Central University of Rajasthan organized an international Book Discussion program on 'Handbook of Communication and Development' (Edward-Elgar, 2021) edited by Prof. Srinivas Raj Melkote, Emeritus Professor, School of Media and Communication, Bowling Green State University, US and Prof. Arvind Singhal, Professor of Communication, Department of Communication, The University of Texas at El Paso, US on 24th September 2021. This program was conducted on Google Meet platform.

02 राजस्थान पत्रिका
अजमेर, गुरुवार, 30 सितम्बर, 2021

विकास व सामाजिक बदलाव में भूमिका पर की चर्चा

ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पुस्तक पर की चर्चा सम्पन्न

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़. बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पुस्तक परिचर्चा हुई। राजस्थान केंद्रीय विवि के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग ने यह ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पुस्तक परिचर्चा की। बोलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी अमरीका के स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन में एमेरिटस प्रोफेसर श्रीनिवास राज मेलकोटे और टेक्सस विश्वविद्यालय एल पासो अमेरिका के संचार विभाग में प्रोफेसर अरविन्द सिंघल की सम्पादित पुस्तक 'हैंडबुक ऑफ कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट' (एडवर्ड-एल्गर 2021) के बारे में ऑनलाइन चर्चा की गई। विकास संचार के क्षेत्र के आमंत्रित वक्ता प्रोफेसर श्रीनिवास राज मेलकोटे ने पुस्तक के मुख्य निष्कर्षों को रेखांकित किया। साथ ही विकास एवं सामाजिक बदलाव में मीडिया और संचार की भूमिका पर चर्चा की। प्रोफेसर मेलकोटे ने बताया कि वर्तमान के सन्दर्भ में विकास संचार का लक्ष्य आमजन का सशक्तीकरण, विकास कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता का संवर्धन एवं विकास में सामाजिक न्याय की प्राप्ति है।

किशनगढ़ के बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विवि की ओर से हुई ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय पुस्तक परिचर्चा में शामिल वक्ता एवं अन्य सदस्य।

उन्होंने बताया कि विकास का उद्देश्य लोगों को गरीबी और असमानता से मुक्ति, बेहतर एवं सम्मानजनक जीवन जीने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्रभारी अध्यक्ष प्रोफेसर जगदीश जाधव ने उद्घाटन भाषण दिया। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा अदिति खरे ने किया। विभाग के समन्वयक निकोलस ने आभार जताया। विभाग के प्राध्यापक प्रांता प्रतीक पटनायक, नीरू प्रसाद और अनूप कुमार ने कार्यक्रम किया।

राजस्थान केंद्रीय विवि, अन्य विवि और शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी, शोधार्थी और प्राध्यापक शामिल हुए। विभाग ने मीडिया और संचार के क्षेत्र में नूतन शोध और अकादमिक योगदान पर विचार विमर्श के लिए पुस्तक परिचर्चा श्रृंखला की शुरुआत की।

दैनिक नवज्योति
Ajmer City - 29 Sep 2021 - Page 8

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक परिचर्चा

न्यूज सर्विस/ नवज्योति, बांदरसिंदरी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक परिचर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बोलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी अमेरिका के स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन में एमेरिटस प्रोफेसर श्रीनिवास राज मेलकोटे और टेक्सस विश्वविद्यालय, एल पासो, अमेरिका के संचार विभाग में प्रोफेसर अरविन्द सिंघल द्वारा सम्पादित पुस्तक हैंडबुक ऑफ कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट (एडवर्ड-एल्गर, 2021) के बारे में चर्चा गूगल मीट मंच पर की गई। विकास संचार के क्षेत्र में मूर्धन्य स्थान रखने वाले आमंत्रित वक्ता प्रो. श्रीनिवास राज मेलकोटे ने पुस्तक के मुख्य निष्कर्षों को रेखांकित किया और विकास तथा सामाजिक बदलाव में मीडिया और संचार की भूमिका पर चर्चा की। प्रो. मेलकोटे ने बताया कि आज के सन्दर्भ में विकास संचार का लक्ष्य आम जनों का सशक्तिकरण, विकास कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता का संवर्धन तथा विकास में सामाजिक न्याय की प्राप्ति है।

उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य लोगों को गरीबी और असमानता से मुक्ति और बेहतर तथा सम्मानजनक जीवन जीने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के प्रभारी अध्यक्ष प्रो. जगदीश जाधव ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा अदिति खरे ने किया। विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस लकड़ा ने अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया। विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक, डॉ. नीरू प्रसाद और डॉ. अनूप कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। विभाग ने मीडिया और संचार के क्षेत्र में नूतन शोध और अकादमिक योगदान पर विचार विमर्श हेतु पुस्तक परिचर्चा श्रृंखला की शुरूआत की है।

The Department of Culture and Media Studies, Central University of Rajasthan organized a Book Discussion program on 'Many Voices, Many Worlds: Critical Perspectives on Community Media in India' (Sage, 2021) edited by Dr. Faiz Ullah, Prof. Anjali Monteiro and Prof. K.P. Jayasankar. This program was held on 1st October 2021 in online mode. Anjali Monteiro and K.P. Jayasankar are retired professors from the School of Media and Cultural Studies, Tata Institute of Social Sciences (TISS), Mumbai. Dr. Faiz Ullah is working with the same school.

राजस्थान पत्रिका
अजमेर, बुधवार, 06 अक्टूबर, 2021

राजस्थान केंद्रीय विवि : ऑनलाइन परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न

'लोकतंत्रीकरण की जरूरत है आज सार्वजनिक मंच'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग ने डॉ. फैज उल्लाह, प्रोफेसर अंजलि मोंटेरो और प्रोफेसर के.पी. जयशंकर की संपादित एवं सेज से प्रकाशित पुस्तक 'मैनी वॉइसेज मैनी वर्ल्ड्स' (2021) पर ऑनलाइन परिचर्चा की।

आमंत्रित वक्ता डॉ. फैज उल्लाह ने हाशिए के लोगों के उत्थान में सामुदायिक मीडिया के महत्त्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विचार विमर्श के सार्वजानिक मंच के लोकतंत्रीकरण की जरूरत है। यह सामुदायिक मीडिया के संवर्धन से संभव है। प्रोफेसर मोंटेरो और प्रोफेसर जयशंकर ने कहा कि आज के समय में विकास की अवधारणा और सामुदायिक मीडिया को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है। उन्होंने पुस्तक के विभिन्न खंडों और अध्यायों की रूपरेखा प्रस्तुत की। तीनों वक्ताओं ने सामुदायिक मीडिया जैसे कि वीडियो, रेडियो, रंगमंच, छायाचित्र एवं संचार के अन्य माध्यम विमर्श और विकास में आदिवासी समुदायों, दलितों, मुस्लिमों और महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हैं और उन्हें सशक्त बनाते हैं। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्राध्यापक अनूप कुमार और नीरू प्रसाद ने क्रमशः पुस्तक एवं संपादकों का परिचय दिया। प्राध्यापक प्रांत प्रतीक पटनायक ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन और आभार जताया। छात्र प्रतीक कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। राजस्थान केंद्रीय विवि, अन्य विवि, शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी व शोधार्थी एवं प्राध्यापक कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया और संचार के क्षेत्र में नवीन शोध और अकादमिक योगदान पर विचार विमर्श के लिए संचालित पुस्तक परिचर्चा श्रृंखला का यह दूसरा कार्यक्रम रहा।

दैनिक नवज्योति
Anchal - 05 Oct 2021 - Page 11

हाशिए के लोगों के उत्थान में सामुदायिक मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान

मेनी वॉइसेज मैनी वर्ल्डस पुस्तक पर परिचर्चा

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांदरसिंदरी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग ने डॉ. फैज उल्लाह, प्रो. अंजलि मोंटेरो और प्रो. के पी जयशंकर द्वारा सम्पादित तथा सेज द्वारा प्रकाशित पुस्तक मैनी वॉइसेज मैनी वर्ल्ड्स (2021) पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया।

वक्ता डॉ. फैज उल्लाह ने हाशिये के लोगों के उत्थान में सामुदायिक मीडिया के महत्त्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विचार विमर्श के सार्वजानिक मंच के लोकतंत्रीकरण की जरुरत है और यह सामुदायिक मीडिया के संवर्धन से संभव है। पुस्तक के सह-संपादक प्रो. अंजलि मोंटेरो और प्रो. के पी जयशंकर ने कहा कि आज के समय में विकास की अवधारणा और सामुदायिक मीडिया को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस लकड़ा ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनूप कुमार और डॉ. नीरू प्रसाद ने क्रमशः पुस्तक तथा संपादकों का परिचय दिया। प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रान्त प्रतीक पटनायक द्वारा किया गया। विभाग के छात्र प्रतीक कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

The Department of Culture and Media Studies, Central University of Rajasthan organized a Book Discussion program on '*Media Economics and Management*' authored by Dr. Sathya Prakash Elavarthi who works as an Associate Professor at the Department of Communication, University of Hyderabad and Dr. Sunitha Chitrapu who is an independent media researcher based in Mumbai. The book is published by Routledge, India. This program was held on 22 October, 2021 in online mode.

दैनिक नवज्योति

अजमेर, बुधवार, 27 अक्टूबर 2021

मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट पुस्तक पर परिचर्चा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

बांदरसिंदरी। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग की ओर से मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट पुस्तक पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह पुस्तक डॉ. सत्यप्रकाश इलावर्दी और डॉ. सुनीता चित्रापू द्वारा लिखित है। इलावर्दी ने कहा कि आज के समय में मीडिया को एक आर्थिक संस्थान के रूप में भी देखने की आवश्यकता है। डॉ. चित्रापू ने बताया कि उनकी पुस्तक भारत में मीडिया संस्थानों और मीडिया उद्योगों की अर्थ प्रणाली व प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुस्तक में भारत के मीडिया उद्योग के चार महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कि समाचारपत्र प्रकाशन, टेलीविजन प्रसारण, फिल्म और डिजिटल मीडिया के प्रबंधन से जुड़े मुद्दों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस लकड़ा ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। आमंत्रित वक्ताओं का परिचय और प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रान्त प्रतीक पटनायक द्वारा किया गया। विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनूप कुमार ने पुस्तक का परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया। विभाग के छात्र साहिब मेंदिरत्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दैनिक भास्कर

अजमेर, शुक्रवार 29 अक्टूबर, 2021

सीयूआर में 'मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट' पुस्तक पर ऑनलाइन वेबिनार

बांदरसिंदरी| सीयूआर के संस्कृति एवं मीडिया विभाग ने डॉ. सत्य प्रकाश इलावर्दी और डॉ. सुनीता चित्रापू द्वारा लिखित पुस्तक 'मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट' पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। इलावर्दी हैदराबाद विश्वविद्यालय के संचार विभाग में सह प्राध्यापक हैं और चित्रापू मुंबई में स्वतंत्र मीडिया शोधकर्ता हैं। दोनों लेखकों ने 'अपने द्वारा लिखित पुस्तक के विभिन्न अध्यायों का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. प्रकाश ने बताया कि आज के समय में मीडिया को एक आर्थिक संस्थान के रूप में भी देखने की आवश्यकता है। डॉ. सुनीता ने बताया कि उनकी पुस्तक भारत में मीडिया संस्थानों और मीडिया उद्योगों की अर्थ प्रणाली व प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुस्तक में भारत के मीडिया उद्योग के चार महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों समाचार पत्र प्रकाशन, टेलीविजन प्रसारण, फिल्म और डिजिटल मीडिया के प्रबंधन से जुड़े मुद्दों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस लकड़ा ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

दैनिक नवज्योति Anchal - 27 Oct 2021 - Page 10

मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट पुस्तक पर परिचर्चा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

बांदरसिंदरी। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग की ओर से मीडिया इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट पुस्तक पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह पुस्तक डॉ. सत्यप्रकाश इलावर्दी और डॉ. सुनीता चित्रापू द्वारा लिखित है। इलावर्दी ने कहा कि आज के समय में मीडिया को एक आर्थिक संस्थान के रूप में भी देखने की आवश्यकता है। डॉ. चित्रापू ने बताया कि उनकी पुस्तक भारत में मीडिया संस्थानों और मीडिया उद्योगों की अर्थ प्रणाली व प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुस्तक में भारत के मीडिया उद्योग के चार महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कि समाचारपत्र प्रकाशन, टेलीविजन प्रसारण, फिल्म और डिजिटल मीडिया के प्रबंधन से जुड़े मुद्दों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. निकोलस लकड़ा ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। आमंत्रित वक्ताओं का परिचय और प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रान्त प्रतीक पटनायक द्वारा किया गया। विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनूप कुमार ने पुस्तक का परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया। विभाग के छात्र साहिब मेंदिरत्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

The Department of Culture and Media Studies, Central University of Rajasthan organized a Book Discussion program on *'Community Radio in South Asia: Reclaiming the Airwaves'* edited by Prof. Kanchan K. Malik and Prof. Vinod Pavarala. Both editors are professors at the Department of Communication, University of Hyderabad. The book is published by Routledge, India. This program was held on 12 November, 2021 in online mode.

दैनिक भास्कर

अजमेर, बुधवार, 1 दिसंबर 2021

'कम्युनिटी रेडियो इन साउथ एशिया' पुस्तक का आयोजन

बांदरसिंदरी| सीयूआर के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा हाल ही में प्रो. कंचन के. मलिक और प्रो. विनोद पावराला द्वारा सम्पादित तथा रूटलेज इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'कम्युनिटी रेडियो इन साउथ एशियाः रिक्लेमिंग दी एयरवेव्स' (2020) पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया। संपादक हैदराबाद विश्वविद्यालय के संचार विभाग में प्राध्यापक हैं। प्रो. मलिक और प्रो. पावराला ने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता और सत्यनिष्ठा के संवर्धन हेतु सामुदायिक रेडियो संस्थाओं को स्व-नियमन और समीक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की जरुरत है। प्रो. विनोद पावराला ने बताया कि यह पुस्तक दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सामुदायिक रेडियो के योगदान और उल्लेखनीय कार्यों को चिन्हित करने का एक प्रयास है। इसमें राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और देश के अन्य विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने भाग लिया।

राजस्थान पत्रिका

अजमेर, मंगलवार, 30 नवम्बर, 2021

'स्व नियमन, समीक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता'

किशनगढ़ के बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन पुस्तक परिचर्चा में शामिल वक्ता एवं प्रतिभागी।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने की ऑनलाइन पुस्तक परिचर्चा

मदनगंज-किशनगढ़ @ पत्रिका. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग की ओर से कम्युनिटी रेडियो इन साउथ एशियाः रिक्लेमिंग दी एयरवेव्स 2020 पुस्तक पर ऑनलाइन परिचर्चा हुई।

यूनिवर्सिटी के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग की ओर से प्रकाशित यह पुस्तक हैदराबाद विश्वविद्यालय के संचार विभाग में प्राध्यापक प्रो. कंचन के. मलिक और प्रो. विनोद पावराला की ओर से सम्पादित है। वक्ताओं ने पुस्तक दक्षिण एशियाई देशों में सामुदायिक रेडियो से जुड़े विभिन्न मुद्दों रेडियो नीति, स्पेक्ट्रम प्रबंधन, आपात या विपदा की स्थिति में सामुदायिक रेडियो का उपयोग एवं लैंगिक विषयों का विश्लेषण की जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता और सत्यनिष्ठा के संवर्धन के लिए सामुदायिक रेडियो संस्थाओं को स्व नियमन और समीक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग के समन्वयक नकोलस ने आमंत्रित वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया। सहायक प्राध्यापक अनूप कुमार और नीरू प्रसाद ने क्रमशः पुस्तक एवं वक्ताओं का परिचय दिया। सहायक प्राध्यापक प्रान्त प्रतीक पटनायक ने प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया। छात्र साहिब मेंदीरत्ता ने संचालन किया। परिचर्चा में यूनिवर्सिटी और देश के अन्य विवि एवं शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने भाग लिया।

The Department of Culture and Media Studies, Central University of Rajasthan organized an online Book Discussion program on *'Muscular India: Masculinity, Mobility & the New Middle Class'* authored by Dr. Michiel Baas who is a Senior Research Fellow at the Max Planck Institute for Social Anthropology (Halle), Germany. This program was held on 18 November, 2021.

बॉडी-बिल्डर और जिमखाना नए शहरी भारत का हिस्सा

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय परिचर्चा सम्पन्न

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग ने 'मस्क्युलर इंडियाः मैस्क्युलिनिटी, मोबिलिटी एंड द न्यू मिडिल क्लास' पर ऑनलाइन परिचर्चा कराई।

यह पुस्तक डॉ. मिशेल बास की हैं और डॉ. बास जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंथ्रोपोलॉजी में सीनियर रिसर्च फैलो हैं। भारत में जिमखाना संस्कृति पर अपने दस साल के अध्ययन के आधार पर डॉ. बास ने सामाजिक संरचना में उन्नतिशीलता के सन्दर्भ में महानगरीय शहरों के जिमखाना प्रशिक्षकों के सपनों और आकांक्षाओं के बारे में बताया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कैसे पुरुष बॉडी-बिल्डर और जिमखाना ट्रेनर एक नए शहरी भारत का हिस्सा हैं। जहां शरीर को गठीला बनाने की संस्कृति का प्रचलन है।

उन्होंने बताया कि जिमखाना ट्रेनर और क्लाइंट के संबंधों में जाति की अपेक्षा वर्ग का ज्यादा महत्व हैं जो शहरी क्षेत्र में उभरते हुए भारत की एक महत्वपूर्ण विशिष्टता है। छोटे नगरों और शहरों में हिंदी फिल्म जगत से प्रभावित जिमखाना संस्कृति के प्रचलन का भी उल्लेख किया गया हैं।

परिचर्चा के आखिर में डॉ. बास ने कहा कि शरीर को मांसल और आकर्षक बनाने की लालसा युवाओं को स्टेरॉयड और अन्य हानिकारक पदार्थ लेने के लिए प्रेरित करती हैं। संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग में सहायक प्राध्यापक प्रांत प्रतीक पटनायक ने आमंत्रित वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं पुस्तक का परिचय दिया।

विभाग में सहायक प्राध्यापक नीरू प्रसाद और अनूप कुमार ने क्रमशः आमंत्रित वक्ताओं का परिचय दिया। प्रश्नोत्तर सत्र एवं पुस्तक परिचर्चा कार्यक्रम का संचालन विभाग के पीएचडी छात्र मेहुल अग्रवाल ने किया। ऑनलाइन परिचर्चा कार्यक्रम में राजस्थान केंद्रीय विवि और देश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापक शामिल हुए।

संस्कृति, मीडिया और संचार के क्षेत्र में नवीन शोध और अकादमिक योगदान पर विचार विमर्श के लिए विभाग की ओर से संचालित पुस्तक परिचर्चा श्रृंखला के रूप में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लाभार्थ के लिए यह श्रृंखला शुरू की गई।

किशनगढ़ के बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विवि की ऑनलाइन परिचर्चा में शामिल प्रतिभागी एवं अतिथि वक्ता।